DAINIK BHASKAR, Surat, 9.12.2021
Page No. 2, Size:(20.45)cms X (14.37)cms.

भास्कर एक्सक्लूसिव | 2026 में सूरत से बिलिमोरा तक बुलेट ट्रेन के ट्रायल रन की योजना, इसलिए बढ़ी काम की रफ्तार

आकार लेने लगा बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट, 2900 पाइल फाउंडेशन तैयार, सूरत में 3 व नवसारी में 22 सहित 88 पिलर बन चुके

तवकुश मिश्रा | सूरत

508 किमी की अहमदाबाद-मुंबई बुलेट ट्रेन परियोजना अब आकार लेने लगी है। इसके पैकेज सी-4 यानी वापी-सूरत-वडोदरा के 237 किमी सेक्शन पर पिलर बनाने का काम शुरू हो चुका है। सूरत में अंत्रोली से वक्ताना गांव के बीच तीन पिलर खड़े कर दिए गए हैं। नेशनल हाई स्पीड रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एनएचएसआरसीएल) ने बताया कि साल 2026 में सबसे पहले सूरत से बिलिमोरा के बीच 63 किमी रूट पर बुलेट ट्रेन का ट्रायल रन किया जाना है। बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट का सबसे तेजी से काम सूरत-नवसारी-वापी के बीच किया जा रहा है। इस सेक्शन पर अब तक 88 पिलर तैयार कर लिए गए हैं। पैकेज सी-4 में वापी-सूरत-वडोदरा के बीच कुल 2900 पाइल वर्क पूरे हो गए हैं। इन पर पिलर बनाए जा रहे हैं। सूरत सेक्शन में 57 किमी का रूट शामिल है, जिसमें वक्ताना से अंत्रोली के बीच बन रहे अलाइनमेंट की लंबाई लगभग 8 किमी है। यहां 120 पाइल फाउंडेशन का काम पूरा कर लिया गया है। इन पर तीन पिलर भी खड़े कर लिए गए हैं। लेबर शेड भी तैयार हो गया है। 300 लेबर यहां लगातार काम कर रहे हैं।

सबसे ज्यादा वलसाड में 49 पिलर बने, सूरत-नवसारी-वापी सेक्शन पर सबसे तेज काम, 300 श्रमिक लगातार काम कर रहे

सात पिलर बनाने का काम तेजी से चल रहा है

- 49 पिलर वलसाड में बने
- 22 पिलर नवसारी में बने
- 03 पिलर सूरत में बने
- 07 पिलर भरूच में बने
- 07 पिलर का काम प्रगति पर

पाइल से लेकर पिलर तक कितना मेटेरियल लगा

- 13 से 15 मीटर पिलर की हाइट
- 4x3 मीटर एवरेज डायमेंशन
- कंक्रीट प्रति पिलर 170-200 सीयू मीटर
- स्टील प्रति पिलर 20-25 मीट्रिक टन
- पिलर का भार 450-500 मीट्रिक टन
- पाइलिंग डेप्थ 30-40 मीटर अंडरग्राउंड

2024 तक पूरा करना है 237 किमी का सेक्शन

बुलेट ट्रेन के इस 47 प्रतिशत हिस्से के लिए 19 अक्टूबर 2020 को टेक्निकल बिड खोली गई थी। स्वीकृति पत्र 28 अक्टूबर को जारी किया गया था। 26 नवबर को अनुबंध शुरू होने की तारीख से काम पूरा करने की अवधि चार वर्ष तय की गई थ। इस हिसाब से 2024 में अक्टूबर से नवंबर के बीच 237 किमी रूट तैयार कर लिया जाएगा। गुजरात में बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट के लिए अब 1396 हेक्टेयर जमीन में से 1035 हेक्टेयर जमीन प्राप्त हो चुकी है, जो 74 प्रतिशत है। बाकी 25% हिस्सा महाराष्ट्र में है।

508 किमी हाई स्पीड रेल के पैकेज सी-4 में 234 किमी का रूट है, जिस पर हम तेजी से काम आगे बढ़ा रहे हैं। यहां हमने अब तक कुल 88 पिलर बना लिए हैं, जिसमें तीन पिलर सूरत में भी खड़े हो गए हैं। साल 2026 तक सूरत से बिलिमोरा के बीच ट्रायल रन की भी संभावना है। इस वजह से काम की गति तेज कर दी गई है। जल्द ही सूरत में भी गर्डर लांच हो जाएंगे। इससे पहले सूरत के ही सेक्शन में नवसारी में एक गर्डर लांच हुआ है। **-सुषमा गौड़,** एजीएम, नेशनल हाई स्पीड रेल कॉर्पोरेशन